एससीआर के पथ पर दौड़ेगी रोजगार और उद्यम के विकास की गाड़ी

राज्य राजधानी क्षेत्र के गठन के साथ तेजी से आगे बढ़ेंगी गतिविधियां, लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर व बाराबंकी का 25 साल का बनेगा रोडमैप

जागरण टीम • लखनऊ : राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एससीआर) की तर्ज पर राज्य राजधानी क्षेत्र के गठन के बाद अब सुनियोजित विकास की गाड़ी तो तेजी से दौड़ेगी ही, इन जिलों में मेट्रो रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम का सपना भी साकार होगा। छह जिलों के कुल 27,826 वर्ग किमी क्षेत्रफल के बड़े भूभाग पर दो करोड़ से अधिक आबादी के लिए सुनियोजित विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर का पथ तैयार होगा। मेट्रो रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम और उपनगरीय बसों जैसी परिवहन सुविधाओं के साथ बड़े स्तर पर सुनियोजित विकास की योजनाओं से औद्योगिक क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा।

औद्योगिक क्षेत्रों को विकसित करने के लिए अगले 25 साल तक का रोडमैप बनेगा। किस क्षेत्र में किस तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरत होगी, कहां किस तरह के औद्योगिक संस्थान होंगे और किन इलाकों में बड़ी आवासीय योजनाओं का विस्तार किया जा सकता है, इस पर प्लानिंग होगी। उद्योगों के लायक माहौल बनेगा जिससे बड़ी संख्या में नौकरियों और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इससे इन जिलों के लोगों का लखनऊ की ओर पलायन भी थमेगा। एससीआर में लखनऊ के साथ बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली जिलों को शामिल किया गया है। एससीआर में शामिल जिलों में भूमि की उपलब्धता के आधार पर प्रस्तावित विकास का ड्राफ्ट वहां के विकास प्राधिकरण बनाएंगे। ग्लोबल टेंडर से चयनित एजेंसी ड्राफ्ट के आधार पर इन जिलों का एकीकृत प्लान बनाएंगी।

बढ़ी उम्मीदें, चमकेगा शहर- उन्नावः लखनऊ-कानपुर जैसे दो महानगरों के बीच उन्नाव अब तक विकास का इंतजार कर रहा है। एससीआर में शामिल होने के बाद अब यहां भी विकास की गाड़ी दौड़ने की उम्मीद जगी है। उद्यमियों को भरोसा है कि क्षेत्रीय विकास के साथ निवेशक की दिलचस्पी बढ़ेगी, जिससे एक जिला एक उत्पाद और लोकल इंडस्ट्रीज के दिन बहुरेंगे। 1,037 ग्राम पंचायत, 1700 राजस्व गांव, तीन नगर पालिका परिषद सहित 19 निकायों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकेगा। उन्नाव शुक्लागंज विकास प्राधिकरण के सचिव शुभम सिंह का कहना है कि अधिसूचना जारी हो गई है अब आगे विस्तृत कार्य योजना पर काम होगा।

एससीआरडीए में शामिल जिलों की आबादी व क्षेत्रफल

जिला	जनसंख्या (2011)	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	जिला	जनसंख्या (2011)	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)
लखनऊ	45,89,838	2528	उन्नाव	31,08,367	4558
हरदोई	40,92,845	5986	रायबरेली	34,05,559	4609
सीतापुर	44,83,992	5743	बाराबंकी	32,60,699	4402

विकास का नया केंद्र बनेगा एससीआर

राज्य राजधानी क्षेत्र का गठन बड़ी पहल है। जिस प्रकार उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा ने गति पकड़नी शुरू की है, प्रदेश ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों की भी रुचि यहां की विकास यात्रा में बढ़ती जा रही है। दूसरे प्रदेशों के निवेशक और उद्यमी भी इस विकास यात्रा के सक्रिय हिस्सेदारी बनना चाह रहे हैं। उम्मीद है कि अब लखनऊ और एससीआर का विस्तार भी दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के समान होना चाहिए। एससीआर बनने से छह जिलों का महत्व समान हो जाएगा। इसके बेहतर व समन्वित विकास के लिए प्रदेश स्तर पर प्रशासनिक ढांचे को भी एक आकार मिलेगा। निवेशकों व जनता को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इसका समेकित लाभ यह होगा कि निवेशक आधुनिक आवश्यकता के अनुसार नगरीय विकास में सहयोग करेंगे। साथ ही स्वास्थ्य, चिकित्सा, डेटा सेंटर, शिक्षा, शोध, पर्यटन, आवासीय और कमर्शियल सुविधाओं की समुचित विकास तीव्र गति से हो सकेगा। इसके लिए प्रदेश सरकार को अपनी रणनीति पूरी तरह से शीघ्र ही स्पष्ट करनी होगी। इसके लिए व्यापक सरकारी निवेश अपेक्षित है। यह विकास का एक नया केंद्र उत्तर प्रदेश में स्थापित कर सकेगा।

-प्रो. एमके अग्रवाल, अर्थशास्त्री, लखनऊ विश्वविद्यालय

उद्योग को लगेंगे पंख

- हरदोई में हैंडलूम एवं रेडीमेड वस्त्रों के निर्माण को गति मिलेगी।
- रायबरेली में एक जिला एक उत्पाद के तहत वुडेन वर्क से जुड़ी फैक्ट्रियों पर निवेश बढ़ेगा।
- सीतापुर में दरी और स्थानीय उद्यमियों (मुख्यतः प्लाईवुड, चीनी, एथेनाल) को उम्मीदों की किरण दिख रही है।

एससीआर गठन होने का निर्णय स्वागत योग्य है। लखनऊ सहित समीपवर्ती छह जनपदों में विकास तेज गति से हो सकेगा। उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण उन्नति को समर्पित दूरदर्शी निर्णय से रोजगार को रोजगार, उद्योग से जुड़े लोगों को उद्योग को गति देने में सहयोग मिलेगा।

– डा.राजेश्वर सिंह, विधायक, सरोजनीनगर

यूपी को वन ट्रिलियन डालर इकोनामी तक पहुंचना है तो इसी तरह प्रत्येक जिले में विकास का ढांचा खड़ा करना होगा। एससीआर से उद्यमियों और निवेशकों को सुविधा होगी और वह एक जगह से अपने सारे काम कर सकेंगे।

-रजत मेहरा, उद्यमी

एसीआर बनने से प्रदेश में विकास को गति मिलेगी। निवेश एवं व्यापार के नए एवं सुगम अवसर उपलब्ध होंगे। संबंधित जिलों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी होने के साथ ही रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

-स्मिता अग्रवाल, अध्यक्ष, सीआइआइ, उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल

लखनऊ से बाराबंकी, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई की कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी। सरकार इसी तरह उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के साथ ही उनके कामों को प्राथमिकता देती रहे, जिससे उद्योग स्थापित करते वक्त समय कम लगे।

-रेणुका टंडन, निदेशक, एमरन ग्रुप आफ कम्पनीज

प्रदेश सरकार का यह बड़ा फैसला है, इसके सकारात्मक परिणाम भविष्य में दिखेंगे। विकास की रफ्तार तेज गति से बढ़ेगी रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम को बढ़ावा मिलेगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की गति भी तेज रफ्तार से बढ़ेगी।

-विभा अग्रवाल, अध्यक्ष, फिक्की फ्लो

राज्य राजधानी क्षेत्र के गठन होने से रोजगार के अवसर बनेंगे। युवा वर्ग को अपने घरों को छोड़कर बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

-अनिल उपाध्याय, मैनेजिंग डायरेक्टर हास्पिटल केयर कंपनी